

विनम्रता लोगों के
दिल जीतती है।
घमंड से दूरी
बनती है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में भीषण आग, 9 यात्री जिंदा जले , कई झुलसे



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर एयरपोर्ट के पास बुधवार देर रात एक चलती स्लीपर बस में भीषण आग लगने से दर्दनाक हदसा हो गया। हदसे में नौ यात्रियों की जलकर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हदसा रात करीब 11:30 बजे, यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 33 के पास हुआ। बस नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी। यात्रियों के अनुसार, बस के केबिन से अचानक जलने की गंध आने

लगी। कुछ यात्रियों ने चालक और परिचालक को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन आरोप है कि बस को तत्काल रोककर जांच नहीं की गई।

कुछ ही देर बाद चालक की सीट के पास से आग की तेज लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि कई यात्री अंदर ही फंस गए। हदसे में नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। बस को आग की लपटों में घिरा देखकर एक्सप्रेसवे से

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर डबल-डेकर टूरिस्ट बस में लगी आग

खालापूर, यशभारत। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खालापूर टोल प्लाजा के पास गुरुवार सुबह एक डबल-डेकर टूरिस्ट बस में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस पुणे की ओर जा रही थी और करीब सुबह 7.37 बजे उसने आग लगी। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जाने की जानकारी है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हदसे के चलते एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। फिलहाल आग से हुए नुकसान और किसी के हाताहत होने की विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।



तेलंगाना में भी बस में आग लगी

तेलंगाना के हैदराबाद में श्रीरैलम जा रही एक बस में आग लग गई। हदसा करनगुटा हनुमान गौदर के पास हुआ। अधिकारियों को घटना की सूचना बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे मिली। बस में सवार सभी 38 यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। हदसे में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है।

मिलने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बैंक हड़ताल से पहले केंद्र का बड़ा फैसला

25 सितंबर को ही खाते में आएगा वेतन-पेंशन 27 को रविवार के बावजूद खुलेंगे सरकारी बैंक

जबलपुर, यशभारत। देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल से पहले केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। हड़ताल के दौरान बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए सितंबर माह का वेतन और पेंशन निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले से केंद्र के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग के महालेखा निंत्रक कार्यालय की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित बैंक हड़ताल के कारण वित्तीय लेन-देन में व्यवधान की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन का भुगतान अग्रिम रूप से करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सितंबर माह के अंत में चालू तिमाही भी समाप्त हो रही है, इसलिए किसी भी प्रकार की वित्तीय देरी से बचने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक भुगतान समय से निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षा, डाक और दूरसंचार कर्मचारियों को भी लाभ

सरकार के निर्णय के दायरे में केंद्र सरकार के सभी सिविल कर्मचारी, औद्योगिक कर्मचारी और पेंशनभोगी आएंगे। रक्षा, डाक और दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। 25 सितंबर को किया जाने वाला भुगतान अग्रिम भुगतान माना जाएगा। बाद में महीने का अंतिम हिसाब-किताब पूरा होने पर यदि किसी राशि का समायोजन आवश्यक हुआ तो उसे अक्टूबर 2026 के वेतन या पेंशन में समायोजित किया जाएगा।

आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था

बैंक हड़ताल से ठीक पहले पड़ रहे सप्ताहांत को देखते हुए सरकार ने आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था की है। 27 सितंबर, रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खुले रहेंगे। सामान्य तौर पर रविवार को बैंक शाखाएं



बंद रहती हैं, लेकिन हड़ताल के दौरान ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं में परेशानी से बचाने के लिए इस दिन शाखाओं को संचालित करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रविवार को बैंक शाखाओं के साथ प्रशासनिक कार्यालयों, एटीएम से संबंधित शाखाओं और करेंसी चेस्ट को भी पूरी तरह सक्रिय रखने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य हड़ताल शुरू होने से पहले अधिक से अधिक जरूरी बैंकिंग काम निपटाने का अवसर ग्राहकों को उपलब्ध कराना है।

यूनियनों से बातचीत, हड़ताल टालने की अपील

28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल को लेकर सरकार और बैंक प्रबंधन की ओर से बैंक यूनियनों के साथ बातचीत जारी है। सरकार ने यूनियनों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है। वहीं, हड़ताल की स्थिति में आम जनता को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की कवायद भी की जा रही है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में लगातार छुट्टियों और प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के कारण बैंकिंग कामकाज पर असर पड़ने की आशंका के बीच सरकार का अग्रिम वेतन-पेंशन भुगतान और रविवार को बैंक खोलने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाहें 28 सितंबर से शुरू होने वाली प्रस्तावित हड़ताल और सरकार-यूनियनों के बीच चल रही बातचीत के अगले दौर पर टिकी हैं।

महाराष्ट्र के सूखा पीड़ित किसानों को मिलेगी राहत

दिवाली से पहले मिलेगी सहायता, फडणवीस का बड़ा ऐलान

अमरावती, यश भारत। महाराष्ट्र के अमरावती संभाग में सूखे की गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने किसानों को तत्काल राहत देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि सूखा सहिता के पहले चरण के तहत किसानों को दी जाने वाली सहायता का आदेश शुक्रवार को जारी किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की सहायता की प्रतीक्षा किए बिना राज्य सरकार अपने स्तर पर तत्काल मदद देगी। वाशिम के सूखाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सूखे से प्रभावित कुछ क्षेत्र पहले चरण में छूट सकते हैं। ऐसे क्षेत्रों को तीसरे चरण में शामिल कर राहत दी जाएगी। सरकार की कोशिश है कि किसानों को सहायता दिवाली से पहले उपलब्ध करा दी जाए। फडणवीस ने कहा कि आने वाले दिनों में चारे और पानी की कमी दूर करने के साथ खाद्यान्न सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों के बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए भी सीधे सहायता देने की योजना है।

रबी फसल के लिए उपलब्ध पानी का आकलन कर किसानों को खेती के लिए सहायता दी जाएगी। रोजगार के लिए



जलसंधारण कार्य बढ़ाए जाएंगे तथा सूखे तालाबों से गाद निकालने और आवश्यक जलसंरचनाओं की मरम्मत पर जोर दिया जाएगा। सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उपज की खरीद के लिए जल्द पंजीकरण भी शुरू करेगी।



एसआईआर पर घिरा चुनाव आयोग, अंदर से भी उठे सवाल

गरमाई सिवासत

नई दिल्ली, यशभारत। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सियासी घमासान तेज हो गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि नवंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और वित्तक जोशी ने विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, आपत्तियां SIR, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, अपील और चुनावी डेटा तक पहुंच जैसे मुद्दों से जुड़ी थीं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि कुछ मामलों में दोनों आयुक्तों ने सवाल उठाया कि उनकी जानकारी के बिना फैसले और आदेश कैसे जारी किए गए। इन दावों ने चुनाव आयोग के भीतर नियंत्रण प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, चुनाव आयोग ने अंदरूनी मतभेद को खबरों को साफ तौर पर खारिज किया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, अलग-अलग मुद्दों पर आयुक्तों की व्यक्तिगत राय अलग हो सकती है, लेकिन स्कूट्र समेत सभी अंतिम फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं।

सांसद विवेक तन्खा की तीखी प्रतिक्रिया लोकतंत्र को नष्ट होने नहीं दे सकते

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठे सवालों के बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट के बाद तन्खा ने निर्वाचन संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर चिंता जताई। तन्खा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जो बातें अब तक अप्रत्यक्ष थीं, वे अब प्रत्यक्ष होती दिख रही हैं। उन्होंने मतदाता सूची से 13 करोड़ नाम हटाए जाने के दावे का उल्लेख करते हुए सवाल खड़ा किया कि यदि करोड़ों नाम झप्पट सूची से बाहर हो रहे हैं, तो इसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने चुनाव आयुक्तों के बीच कथित असहमति का भी जिक्र किया और कहा कि अब बोलने का समय आ गया है। तन्खा ने अपनी चिंता को लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जोड़ते हुए कहा कि देश अपने लोकतंत्र को नष्ट होने की अनुमति नहीं दे सकता। उनके बयान में निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, मतदाता के अधिकार और संस्थागत जवाबदेही को लेकर चिंता प्रमुख रही। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आयोग से SIR, फॉर्म-6, मतदाता डेटाबेस और गोवा के 97 मतदाताओं सहित कई मामलों पर दस्तावेजी स्पष्टीकरण मांगा है।



अनंत चतुर्दशी : आज गणेश विसर्जन, मुंबई पुलिस मुस्तैद

22 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों का कड़ा बंदोबस्त



एआई-ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर नजर

मुंबई, यश भारत। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आज होने वाले गणेश विसर्जन को लेकर मुंबई पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। मुंबई में बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन और लाखों श्रद्धालुओं के सड़कों पर उतरने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए व्यापक बंदोबस्त किया है। विसर्जन के दौरान 22 हजार से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शहर की सुरक्षा व्यवस्था सभालेंगे। मुंबई पुलिस की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और विसर्जन के बाद उनके सुरक्षित घर लौटने को

ध्यान में रखते हुए 24 घंटे लोकल ट्रेन और मेट्रो सेवा उपलब्ध कराने के संबंध में संबंधित प्रशासन को पत्र भेजा गया है। देर रात तक चलने वाले विसर्जन कार्यक्रमों के बाद रेलवे स्टेशनों और मेट्रो स्टेशनों पर बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भी पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। मुंबई पुलिस के अनुसार गणेश विसर्जन बंदोबस्त के लिए 6 सहायक पुलिस आयुक्त, 38 पुलिस उपायुक्त, 58 सहायक पुलिस आयुक्त, 3,213 पुलिस निरीक्षक और 18,940 पुलिस कर्मचारी तैनात रहेंगे। पुलिस बल को प्रमुख विसर्जन स्थलों, जुलूस मार्गों, समुद्र तटों, कृत्रिम तालाबों तथा संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

भीड़ नियंत्रण के साथ ही महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष को लगातार सक्रिय रखा जाएगा। विसर्जन के दौरान भीड़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रमुख स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए पुलिस नियंत्रण कक्ष से लगातार निगरानी की जाएगी। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से विसर्जन जुलूस के मार्ग और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की हवाई निगरानी की जाएगी।

मुंबई में निगेटिव रक्त समूहों की भारी कमी

मुंबई, यश भारत। मुंबई के विभिन्न अस्पतालों और रक्तपेढ़ियों में रक्त का कुल भंडार उपलब्ध होने के बावजूद निगेटिव रक्त समूहों की स्थिति चिंताजनक है। ओ-निगेटिव, ए-निगेटिव और एबी-निगेटिव का स्टॉक बेहद कम है, जबकि कई अस्पतालों में यह शून्य है।

कूपर अस्पताल में 370 यूनिट रक्त उपलब्ध है, जिसमें ओ-निगेटिव 8, ए-निगेटिव 4, बी-निगेटिव 19 और एबी-निगेटिव 3 यूनिट हैं। विभिन्न रक्तपेढ़ियों में बी-निगेटिव 12, ओ-निगेटिव 11 तथा ए-निगेटिव और एबी-निगेटिव केवल 4-4 यूनिट उपलब्ध हैं।

मीनाताई ठाकरे अस्पताल में 418 और शताब्दी गोवंदी अस्पताल में 280 यूनिट रक्त है, लेकिन दोनों जगह निगेटिव समूहों का स्टॉक शून्य बताया गया है।

ओ-निगेटिव की स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। कूपर में 8, जबकि केईएम और कामा अस्पताल में केवल 1-1 यूनिट उपलब्ध

ओ-निगेटिव, ए-निगेटिव और एबी-निगेटिव का भंडार बेहद कम



है। सेंट जॉर्ज, जीटी, भाभा, राजावाडी, बीडीबीए, शताब्दी कांदिवली समेत कई अस्पतालों में इसका स्टॉक शून्य है।

मुंबई में मलेरिया का बढ़ता खतरा

तीन साल बाद मलेरिया से मुंबई में दो मौतें, 9,298 मरीज

मुंबई, यश भारत। मुंबई में मलेरिया ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इस साल अब तक मलेरिया के 9,298 मामले सामने आ चुके हैं और दो मरीजों की मौत हुई है। खास बात यह है कि पिछले तीन वर्षों में मलेरिया से मुंबई में एक भी मौत दर्ज नहीं हुई थी।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में पूरे साल 10,163 मामले सामने आए थे। इस लिहाज से इस साल सितंबर तक ही पिछले वर्ष के 91.5



प्रतिशत मामले सामने आ चुके हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में मुंबई में मलेरिया के 3,985 मामले थे, जो

संकेत कर रहे हैं।

चिकित्सकों ने इस बार मरीजों में लंबे समय तक तेज बुखार बने रहने की बात कही है। वहीं, डोंगरी, सायन और परेल जैसे इलाकों में मामले अधिक बताए गए हैं। निर्माण स्थलों पर जमा पानी, जल रिसाव और जलभराव को मच्छरों के प्रजनन के संभावित कारणों में शामिल किया जा रहा है। बीएमसी की स्वास्थ्य और कीट नियंत्रण टीमों मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर उन्हें नष्ट करने में जुटी हैं।

पनवेल के पास एक्सप्रेसवे पर बस में लगी आग, यात्रियों ने भागकर बचाई जान



मुंबई, यश भारत। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पनवेल के पास सुबह एक चलती बस अचानक आग की लपेटों से घिर गई। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते सभी यात्री बस से बाहर निकल आए, जिससे किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना पुणे की दिशा में जाने वाले मार्ग पर किलोमीटर 16 के पास सुबह करीब 7:55 बजे हुई। बस में अचानक आग भड़कने के बाद देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। यात्रियों ने तत्काल बस से उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर रुख किया।

घटना की सूचना मिलते ही पनवेल महानगरपालिका और खोपोली नगर परिषद की दमकल टीमों की मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त दमकल वाहन भी घटनास्थल पर भेजे गए।

मामला रसायनी पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र का बताया गया है। फिलहाल बस में आग लगने के वास्तविक कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं। आग के कारण एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होने की भी जानकारी है।

धारावी के पुनर्वास घरों पर 10 साल की पाबंदी हटाने की तैयारी

मुंबई, यश भारत। धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत मिलने वाले पुनर्वास घरों के हस्तांतरण पर लगी 10 साल की पाबंदी हटाने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार ने कदम बढ़ाया है। नगर विकास विभाग ने मौजूदा नियमों में बदलाव का प्रस्ताव जारी किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी अंतिम रूप से लागू नहीं हुआ है।

मौजूदा व्यवस्था के अनुसार पुनर्वास के तहत मिले घर को कब्जा मिलने की तारीख से 10 साल तक बेचा, किराये पर दिया या किसी अन्य व्यक्ति के नाम हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। केवल कानूनी उत्तराधिकारी के नाम हस्तांतरण की अनुमति है। नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित मकान को धारावी पुनर्विकास परियोजना अथवा झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण अपने कब्जे में ले सकता है।

प्रस्तावित बदलाव के अनुसार 10 साल की निश्चित रोक हटाकर महाराष्ट्र किराया नियंत्रण अधिनियम के प्रावधान लागू किए जा सकते हैं। सहकारी आवास संस्था गठित होने के बाद महाराष्ट्र सहकारी संस्था



अधिनियम के नियम लागू होंगे। सरकार ने इस प्रस्ताव पर नागरिकों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं।

महिला के गले से सोने की चेन झपटी, एक्टर गिरफ्तार

मुंबई, यश भारत। आर्थिक तंगी और कर्ज से परेशान होकर कथित तौर पर चेन झपटने के आरोप में वकोला पुलिस ने भोजपुरी फिल्मों में काम करने वाले 21 वर्षीय आशीष अत्तरचंद शर्मा को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसके पास से महिला के गले से छीनी गई सोने की चेन बरामद की। पुलिस के अनुसार, घटना सांताक्रूज पूर्व के वकोला इलाके की एक चॉल में हुई। बुजुर्ग महिला घर के बाहर बैठी थीं। आरोप है कि एक व्यक्ति घर में घुसा और उनके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। पुलिस ने महिला के बताए हुए लिए के आधार पर आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। उसका चित्र स्थानीय मुखबिरों को दिया गया। सूचना के आधार पर पुलिस ने श्याम सुंदर चॉल में छापा मारकर आशीष शर्मा को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आर्थिक परेशानी के कारण वारदात करने की बात सामने आई है। मामले की जांच जारी है।



मुंबई एयरपोर्ट की उड़ानें नवी मुंबई भेजने पर गतिरोध



मुंबई, यश भारत। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास को लेकर मुंबई एयरपोर्ट और एयरलाइंस के बीच उड़ानों के स्थानांतरण पर सहमति नहीं बन पा रही है। टर्मिनल-1 के एक हिस्से को अगले वर्ष जनवरी से चरणबद्ध तरीके से गिराकर उसका पुनर्विकास किया जाना है। इसके चलते बड़ी संख्या में उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर स्थानांतरित करने की तैयारी है।

योजना के अनुसार, 1 अक्टूबर 2026 से मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नवी मुंबई एयरपोर्ट भेजने का प्रस्ताव है। इसके बाद 25 अक्टूबर से टर्मिनल-1 की

करीब एक-तिहाई उड़ानों को टर्मिनल-2 में स्थानांतरित किया जाना है।

हालांकि, कई एयरलाइंस ने नवी मुंबई से संचालन शुरू करने पर अतिरिक्त लागत और परिचालन संबंधी चुनौतियों को लेकर चिंता जताई है। एयरलाइंस का कहना है कि दोनों हवाईअड्डों के बीच यात्रियों और कर्मचारियों की आवाजाही से परिचालन जटिल हो सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन ने एयरलाइंस को बदलाव के लिए पर्याप्त संक्रमण अवधि देने की बात कही है। 15 जनवरी 2027 से टर्मिनल-1 के उत्तरी हिस्से को गिराने की योजना है। ऐसे में दोनों एयरपोर्टों के बीच उड़ानों का संतुलन बनाना और यात्रियों को परेशानी से बचाना बड़ी चुनौती होगी।

बच्चों के शरीर पर रंग लगाकर मंगवाई भीख

मुंबई, यश भारत। गणेश दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से भीख मंगवाने के लिए दो नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल करने के आरोप में कालाचौकी पुलिस ने 65 वर्षीय महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बच्चों के पूरे शरीर पर सिल्वर रंग लगाकर उन्हें विशेष वेशभूषा में तैयार किया गया था। यह घटना लालबाग की चोर गली स्थित बाल गणेश मंडल परिसर में सामने आई।

पुलिस के अनुसार, 21 सितंबर की तड़के सुरक्षा इ्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों ने एक महिला को दो बच्चों के साथ भीख मांगते देखा। बच्चों के शरीर पर सिल्वर रंग लगा हुआ था। पूछताछ में महिला ने अपना नाम सखुबाई बापू काले (65) बताया और कहा कि दोनों बच्चे उसके नाती-पोते हैं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि महिला बच्चों को साथ लेकर भीख मांगती है। श्रद्धालुओं से पैसे मांगने के लिए बच्चों को इस तरह तैयार किए जाने पर पुलिस ने महिला

65 वर्षीय महिला पर मामला दर्ज



के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) बने विनीत कुमार श्रीवास्तव

मुंबई, यश भारत। भारतीय रेल इंजीनियर सेवा (आईआरएसई) के 1993 बैच के वरिष्ठ अधिकारी विनीत कुमार श्रीवास्तव ने 22 सितंबर 2026 को पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का पदभार संभाल लिया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, श्रीवास्तव को रेलवे इंजीनियरिंग, निर्माण, परियोजना क्रियान्वयन और प्रशासन का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में मुख्य अभियंता (सामान्य) और मुख्य परियोजना निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। हाल में वे उत्तर मध्य रेलवे में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक थे। जनवरी 1995 में रेलवे सेवा शुरू करने वाले श्रीवास्तव ने बीई और एमटेक की उपाधियां प्राप्त की हैं।

अंधेरीचा राजा चौक का उद्घाटन

रवीन्द्र मिश्रा, मुंबई। गणेश भक्तों में 'नवसाला पावणारा', यानी मनोकामना पूर्ण करने वाले गणपति के रूप में प्रसिद्ध अंधेरीचा राजा चौक का उद्घाटन शिवसेना नेता एवं विधायक एडवोकेट अनिल परब के हाथों संपन्न हुआ। शिवसेना शाखा क्रमांक 63 के शाखा प्रमुख सुबोध चिटनिस से मिली जानकारी के अनुसार, आजाद नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे अंधेरीचा राजा चौक बनाया गया है। इस चौक का निर्माण स्थानीय शिवसेना विधायक हारन खान की निधि से किया गया है। 21 सितंबर की शाम आयोजित उद्घाटन समारोह में शिवसेना उपनेता अमोल कीर्तिकर, महिला विभाग संपटिका श्रीमती अनीता बागवे, विधानसभा संगठक एवं नगरसेवक शैलेश फणसे, महिला विधानसभा प्रमुख एग्रेस फर्नांडीज, विधानसभा समन्वयक बाला आंबेकर, नगरसेविका सबा हारन खान, नगरसेवक जिसान चगेज मुल्तानी, शाखा प्रमुख सुबोध चिटनिस, नंदिता खान, आशुतोष तलेकर, सचिन नायक, दीपिका गोलाबंदे सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।



नायर अस्पताल में पांच साल में 261 जले मरीज पहुंचे, 110 भर्ती



मुंबई, यश भारत। नायर अस्पताल के दुर्घटना विभाग में 2017 से 2021 के बीच जलने की चोटों के 261 मरीज पहुंचे, जिनमें 110 को आंतररूपण विभाग में भर्ती किया गया। यह जानकारी आरटीआई के तहत अस्पताल से मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 2017 में 64, 2018 में 68, 2019 में 49, 2020 में 34 और 2021 में 46 जले मरीज पहुंचे। इनमें क्रमशः 30, 30, 32, 6 और 12 मरीजों को भर्ती किया गया। आरटीआई में उपचार के दौरान कितने मरीजों की मौत हुई, कितने स्वस्थ होकर घर लौटे और कितनों को दूसरे अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया, इसकी वर्षवार जानकारी मांगी गई थी। हालांकि, अस्पताल के जवाब में मृत मरीजों और दूसरे अस्पतालों में भेजे गए मरीजों की स्वतंत्र वर्षवार संख्या उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे पांच वर्षों में उपचार के दौरान कितने मरीजों की मौत हुई, इसका स्पष्ट आंकड़ा सामने नहीं आ सका।

मुंबई, यश भारत। मुंबई की भागदौड़ भरी जिंदगी में वड़ापाव और मोबाइल फोन दोनों रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। लोकल ट्रेन में सफर हो या ऑफिस की व्यस्तता, कई लोग एक हाथ में वड़ापाव और दूसरे में मोबाइल लेकर इंस्टाग्राम रील्स देखते हुए खाना पसंद करते हैं। यह आदत भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन विशेषज्ञ इसे 'माइंडलेस ईटिंग' यानी बिना ध्यान दिए खाने की आदत से जोड़ रहे हैं।

रील्स देखते समय दिमाग का अधिकांश ध्यान स्क्रीन पर चल रहे लगातार बदलते वीडियो पर रहता है। ऐसे में व्यक्ति को यह महसूस ही नहीं होता कि उसने कितना खाना खा लिया है। भोजन के स्वाद, खुशबू और मात्रा पर ध्यान कम होने से जल्दतर से ज्यादा खाने की संभावना बढ़ सकती है। यही वजह है कि मोबाइल देखते हुए खाना खाने की आदत को अब स्वास्थ्य के लिहाज से भी गंभीरता से देखा जा रहा है।

इंस्टाग्राम रील्स में कुछ ही



सेकंड में नया वीडियो सामने आ जाता है। लगातार बदलते दृश्य और मनोरंजक सामग्री दिमाग को व्यस्त रखते हैं। इसका असर यह होता है कि भोजन करते समय व्यक्ति का ध्यान खाने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर ज्यादा रहता है। वह जल्दी-जल्दी खा सकता है और पेट भरने के संकेतों को भी नजरअंदाज कर सकता है।

मुंबई में वड़ा पाव, समोसा,

पावभाजी और अन्य फास्ट फूड आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे भोजन को खाते समय यदि व्यक्ति मोबाइल में व्यस्त रहे तो खाने की मात्रा पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो सकता है। जल्दबाजी में भोजन करने से एसिडिटी, पेट फूलने और अपच जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, 'माइंडफुल ईटिंग' यानी भोजन करते समय केवल खाने पर ध्यान देना एक बेहतर आदत है। मोबाइल को कुछ देर के लिए दूर रखना, भोजन को धीरे-धीरे चबाना और स्वाद पर ध्यान देना व्यक्ति को अपनी भूख और पेट भरने के संकेतों को समझने में मदद कर सकता है।

मुंबई की तेज रफ्तार जिंदगी में कुछ मिनट बचाने के लिए रील्स देखते हुए खाना आसान विकल्प लग सकता है, लेकिन भोजन को भी उतना ही समय और ध्यान देना जरूरी है। अगली बार वड़ापाव हाथ में हो तो रील्स के बजाय उसके स्वाद पर ध्यान देना शायद ज्यादा फायदेमंद साबित हो।

फडणवीस ने बताया कि सातारा, सांगली और कोल्हापुर का अतिरिक्त बाढ़ का पानी उजनी बांध के जरिए मराठवाड़ा पहुंचाने वाली परियोजना को विश्व बैंक की मंजूरी मिल गई है। मराठवाड़ा को सूखा मुक्त बनाने वाली एक अन्य योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट दिसंबर तक आने की उम्मीद है। सरकार ने अगले जून तक पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ रबी फसल, चारे और आर्थिक सहायता की व्यवस्था का भरोसा दिया है।

संपादकीय

विघ्न हरो विनायक!

गणपति चतुर्थी से शुरू हुआ आस्था व उत्साह का पर्व आज अनंत चतुर्दशी पर गणपति बापा की विदाई के साथ अपने भावपूर्ण पड़ाव पर पहुँच रहा है। दस दिनों तक घर-घर और सार्वजनिक मंडपों में विराजमान रहने वाली विचित्रतांगे गणेश आज जल में विसर्जित होंगे। होल-ताशों की गुँज, 'गणपति बापा मोरया' के जयघोष और श्रद्धालुओं की नम आंखों के बीच होने वाली यह विदाई भारतीय दर्शन की एक गहरी अनुभूति है। गणपति का आगमन समुद्र रूप में होता है। मिट्टी की प्रतीति में हम ईश्वर का साकार स्वरूप देखते हैं। उसे सजते हैं, पूजते हैं, आती करते हैं, भोग लगाते हैं और अपनी इच्छाएं, निताएं तथा मन की पीड़ा उनके चरणों में रख देते हैं। कुछ दिनों के लिए वह हमारे घर और समाज के केंद्र में आ जाते हैं। लेकिन अनंत चतुर्दशी हमें यह भी सिखाती है कि साकार रूप अंतः निर्गुण में विलीन होता है। मिट्टी से बनी प्रतीति मिट्टी में लौट जाती है, लेकिन उसके माध्यम से जागी आध्यात्मिक चेतना हमारे भीतर बनी रहती है। यही इस पर्व का सबसे बड़ा संदेश है कि रूप अस्थायी बदलता है, आस्था नहीं। जीवन में सुख-दुःख, सफलता-असफलता, मिलना-बिछड़ना और निर्माण-विनाश का क्रम चलता रहता है। गणपति की विदाई हमें परिवर्तन को स्वीकार करने और नए आगमन की आशा रखने का साहस देती है। गणेशोत्सव का एक और महत्वपूर्ण संदेश है संगठन और एकता। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने समाज के अलग-अलग वर्गों को एक मंच पर आने का अवसर दिया। जाति, भाषा, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के भेद भूलकर लोग एक साथ आरती करते हैं, सेवा करते हैं और उत्सव मनाते हैं। कोई सजावट की जिम्मेदारी उठाता है, कोई व्यवस्था संभालता है, कोई प्रसाद बाँटता है और कोई सामाजिक सेवा में योगदान देता है। यही साहसिकता समाज को मजबूत बनाती है। आज मनुष्य अनेक प्रकार के विघ्नों से घिरा हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण, यातायात, बढ़ता तनाव, सामाजिक मतभेद, पारिवारिक चुनौतियाँ और बदलती तकनीक के बीच पैदा हो रही नई समस्याएँ उसके समान हैं। ऐसे समय में गणपति से केवल धन, सफलता और व्यक्तिगत सुख की कामना करना पर्याप्त नहीं। हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि हे विघ्नहर्ता, हमारे जीवन के विघ्न दूर करो, हमारे निर्णयों में विवेक दो, कठिन परिस्थितियों से लड़ने का साहस दो और हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करो। हमारे भीतर के अहंकार, स्वार्थ, क्रोध और द्वेष भी बड़े विघ्न हैं। यदि गणपति की आराधना के बाद भी ये हमारे भीतर बने रहें तो पूजा अधूरी है। सच्ची भक्ति वह है जो मनुष्य को बेहतर इंसान बनाए, उसे दूसरों के दुःख को समझने और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा दे। आज जब समाज को जोड़ने वाली शक्तियों की आवश्यकता पहले से अधिक है, जब गणेशोत्सव हमें यद दिलाता है कि संगठन केवल भीड़ का नाम नहीं, अनित्य एक उद्देश्य के लिए साथ खड़े होने की शक्ति है। जब व्यक्ति अपने छोटे-छोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के हित के बारे में सोचता है, तभी एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है। आइए, अनंत चतुर्दशी पर गणपति बापा को विदा करते हुए केवल अपने घर की बुखियों की प्रार्थना न करें। प्रार्थना करें कि हमारे समाज से भय, द्वेष, हिंसा और अविश्वास के विघ्न दूर हों। हर युवा को अस्मर मिले, हर परिवार में सुख-शांति हो, किसान और श्रमिक सम्मान के साथ जीवन जी सकें, शिक्षा और स्वास्थ्य सबकी पहुँच में हों और देश की प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। हे गणपति बापा, भारत को ज्ञान, विज्ञान, उद्योग, कृषि, शिक्षा, संस्कृति और तकनीक के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की शक्ति प्रदान करो। हमारा राष्ट्र मजबूत, आत्मनिर्भर, सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बने। दुनिया में भारत की पंचजन केवल आर्थिक शक्ति के रूप के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, संस्कारों, ज्ञान और सद्भाव के देश के रूप में और मजबूत हो। गणपति बापा की यह विदाई हमें समुचित से निर्गुण, विज्ञानगत आस्था से सामाजिक चेतना और संगठन से राष्ट्रशक्ति की ओर ले जाए।

कड़वे वचन

आज का राशिफल

पंचांग:- 25 सितंबर 2026
दिन- शुक्रवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत् 2083



ज्योतिषाचार्य पंडित
लोकेश व्यास



वृष

इ, उ, ए,
ओ, या, यी,
वू, वें, वो

पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है धैर्य के साथ आगे बढ़ें

चूँचक

ये, खो, मा
भी, मू, वा
फा, डा, मे

अजनबियों से सावधानी बरते
किसी के भी बहकावे में ना आएं

विचार प्रवाह

रजत में चमका मीराबाई का सपना



के भीतर मार हर पदक के पीछे एक अलग कहानी होती है। मीराबाई की कहानी में सफलता जितनी महत्वपूर्ण है, वापसी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। चोट से लौटना केवल शरीर को ठीक करना नहीं है। यह अपने ऊपर भरोसा फिर से खड़ा करना है। जब कोई खिलाड़ी एक बार असफल होता है तो अगली प्रतिযোগिता में केवल प्रतियुद्ध से मुकाबला नहीं करता, अपने पिछले प्रस्ताम को स्मृति से भी लुटाता है। मीराबाई ने इस प्रस्ताम को अपने ऊपर लव्हा नहीं होने दिया। उनका रजत भारत के लिए इसीलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारतोलेन में एशियाई खेलों का पिछला पदक 1998 के बैकॉक खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी ने जीता था। करीब तीन दशक के इस अंतराल के बाद भारतीय भारोलेन को फिर एशियाई खेलों के मंच पर पदक मिला है। मीराबाई के रजत ने उस लंबे इंतजार को भी समाप्त किया। लेकिन यहाँ से एक दूसरा सवाल उठता है। क्या किसी एक खिलाड़ी की असाधारण क्षमता और इच्छाशक्ति को ही हमारी खेल व्यवस्था की सफलता मान ली जाए?

पदक जीतने के बाद जश्न स्वाभाविक है। खिलाड़ी का सम्मान भी होना चाहिए। लेकिन पदक की चमक के पीछे जो व्यवस्था है, उस पर बात करना भी उतना ही जरूरी है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, खेल विज्ञान, पोषण, चोट से बचाव, पुनर्वास, प्रशिक्षकों की उपलब्धता और प्रतियोगी पहचान-ये वे चीजें हैं जो किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे चुपचाप काम करती हैं। हम अक्सर अंतिम क्षण देखते हैं। खिलाड़ी ने कितना

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में दिखी भारतीय सिनेमा की बहुभाषी और बहुरंगी तस्वीर

भारतीय सिनेमा केवल मॉरॉरजन का माध्यम नहीं है, बल्कि वह भारत की बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और बहुवर्गीय समाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज भी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ, लोक परंपराएँ, सामूहिक संघर्ष, बदलते जीवन-मूल्य, आकांक्षाएँ और सपने जिन रूपलेखों में प्रकट होते हैं वे केवल किसी एक प्रदर्शक की कहानी नहीं हैं। भारतीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन राजनीति के एतना नगर में राष्ट्रपति अला राष्ट्रीय अर्थ देता है। राष्ट्रीय सिनेमा ही नहीं है। यह भारतीय सिनेमा और क्षेत्रों के फिल्मकार अपने-अपने 400 फीट की फिल्मों में 34 भाषाओं में दवावेगी प्रस्तुत की। इनमें से 22



किसी एक प्रदेश की कहानी नहीं रह जाते, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक अनुभूति का हिस्सा बन जाते हैं। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन इसी व्यापक भारतीय सिनेमाई चेतना को सामने लाने वाला अवसर बना। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाना अपने आप में इस समारोह को एक अलग राष्ट्रीय अर्थ देता है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का महत्व केवल पुरस्कार पाने वाले कलाकारों और फिल्मों तक सीमित नहीं है। यह भारतीय सिनेमा की उस रचनात्मक यात्रा का सम्मान है, जिसमें देश की अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के फिल्मकार अपने-अपने समाज की कहानियों को राष्ट्रीय मंच तक लेकर आते हैं। इस बार भी लगभग 400 फीचर फिल्मों में 34 भाषाओं में और 161 गैर-फीचर फिल्मों में 24 भाषाओं में पुरस्कारों के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। इनमें से 22 फीचर फिल्मों और 23 गैर-फीचर फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह संख्या बताती है कि भारतीय सिनेमा का विस्तार किसी एक भाषा, प्रदेश या शैली तक सीमित नहीं है। इस समारोह का सबसे भावपूर्ण क्षण दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से अभिनेता अनंत नाग को सम्मानित किया जाना रहा। वर्ष 2024 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित अनंत नाग ने अपने लंबे अभिनय जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए उस संघर्षपूर्ण यात्रा को याद किया, जिसने उन्हें रंगमंच से भारतीय सिनेमा तक पहुँचाया। आश्रम में बचपन बिताने से लेकर मुम्बई पहुँचने और रंगमंच से जुड़ने तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि कला की दुनिया में बड़ी पहचान के पीछे वर्षों की साधना, संघर्ष और निरंतर सीखने की प्रक्रिया होती है। फिल्मों में आने से पहले लगभग 50 नाटकों में अभिनय का अनुभव उनके अभिनय जीवन की मजबूत बुनियाद बना। श्याम बेनेगल जैसे महत्वपूर्ण फिल्मकार के साथ काम करने के बाद उन्होंने कन्नड़ सिनेमा और बेंगलुरु को अपनी कर्मभूमि बनाया। पिछले वर्ष राष्ट्रपति द्वारा उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना भी उनके दौलतीकालिक योगदान को राष्ट्रीय स्वीकृति का प्रमाण है। अनंत नाग की यात्रा भारतीय सिनेमा के उस स्वर्णरूप को सामने लाती है, जिसमें कलाकार केवल पद पर दिखाई देने वाला चेहरा नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और संस्कृति का संचाहक भी होता है। एक कलाकार का जीवन कई पीढ़ियों को प्रभावित करता है। इसलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का यह आग्रह विशेष महत्व रखता है कि फिल्म जगत से जुड़े लोग स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दें और ऐसे पदार्थों के प्रचार से बचे जो समाज और विशेषकर युवाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कलाकारों की लोकप्रियता उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी भी प्रदान करती है। यही पीढ़ी अनंत नाग परंपरा के संचालकों के व्यवहार और संदेश से प्रभावित होती है। ऐसे में सिनेमा की सामाजिक भूमिका पदों से बाहर भी दिखाई देती है। राष्ट्रपति ने भारतीय सिनेमा को भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं, आकांक्षाओं और संघर्षों का प्रतिबिंब बताते हुए रचनात्मक क्षेत्र में काम करने वाले छोटे कलाकारों, सहायकों और संघर्षरत कर्मियों की गरिमा तथा सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। यह पहलू अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी फिल्म की सफलता के पीछे केवल अभिनेता, निर्देशक या निर्माता नहीं होते। पदों के पीछे काम करने वाले असंख्य तकनीशियन, सहायक कलाकार, लेखक, संपादक, कैमरामैन, मेकअप कलाकार और अन्य कर्मियों का योगदान भी उसी की महत्वपूर्ण होता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए इस पूरे तंत्र को सम्मान और सुरक्षा देना आवश्यक है। महिलओं की सभी निर्णायक मंडलियों में भागीदारी बढ़ाने का संदेश भी सिनेमा के बदलते स्वरूप और अधिक समावेशी रचनात्मक व्यवस्था की दिशा में माहौलपूर्ण संकेत है। एकता नगर में आयोजित यह समारोह अपने स्थान के कारण भी विशेष रहा। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिल्ली से बाहर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह आयोजित करने की परंपरा को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ा। एकता नगर स्वयं उस राष्ट्रीय एकता की स्मृति से जुड़ा स्थान है, जहाँ लौह पुरुष सरदार पटेल की विराट् प्रतिमा देश की एकजुटता का संदेश देती है। ऐसे स्थान पर भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय सम्मान समारोह आयोजित होना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि संस्कृति और सिनेमा भी देश को जोड़ने वाली शक्तियाँ हैं। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सिनेमा को समाज का प्रतिबिंब और संस्कृति का वाहक बताते हुए कहा कि यह मानवीय भावनाओं को व्यक्त करने के साथ भारत की वैश्विक पहचान और सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का प्राचीन माध्यम है। आज भारतीय फिल्मों केवल देश के दर्शकों तक सीमित नहीं हैं। भारतीय कथानक, संगीत, अभिनय और सांस्कृतिक संवेदनार्थ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुँच रही हैं। यही कारण है कि सिनेमा अब मनोरंजन उद्योग के साथ-साथ सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन चुका है। इस वर्ष के पुरस्कारों में भारतीय सिनेमा की विविधता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मम्मी को 'ब्रामयुगम' और कार्तिक आर्यन को 'चंद्र चैपियन' से लिए संयुक्त रूप से दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार 'आर्टिकल 370' के लिए यामी गौतम को मिला। संजय मिश्रा को 'भक्षक' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता तथा सचिना नामीदास को 'महाराज' और रोपाश्री वर्मा को 'मिथ्या' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि रणदीप हड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए निर्देशन की शुरुआत के लिए विशेष पहचान मिली। 'कल्कि 2898 एडी' को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म और 'कैप्टन मिलर' को राष्ट्रीय, सामाजिक तथा पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के रूप में सम्मानित किया गया।

(लेखक-विनोद सिंह तक्रियावाला)

दीनदयाल उपाध्याय : साधारण जीवन, असाधारण विचार

कृष्ण व्यक्तित्व अपने जीवन को लंबाई से नहीं बल्कि अपने विचारों की गहराई और कर्मों की व्यापकता से इतिहास में स्थान बनाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ही व्यक्तित्व थे। साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने भारतीय राजनीति, समाज और आर्थिकतन्त्र को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ेना का प्रयास किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। उनकी जयंती केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों और सार्वजनिक जीवन की भूमिका को समझने का अवसर भी है। 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने माता-पिता को खो दिया और उनका पालन-पोषण रिश्तेदारों के संरक्षण में हुआ। कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। वे प०ई में अत्यंत प्रतिभाशाली थे और विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करते रहे। पिलानी में शिक्षा के बाद उन्होंने कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज में अध्ययन किया। 1937 में छात्र जीवन के दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हुआ। आगे चलकर उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य को समर्पित कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद संगठन को मजबूत करने और देशभर में उसका विस्तार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उनकी सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक देन 'एकात्म मानववाद' मानी जाती है। उनका विचार था कि मनुष्य को केवल आर्थिक आवश्यकताओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता। मनुष्य

शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप है और उसके जीवन में भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। इसी प्रकार व्यक्ति समाज से अलग नहीं है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन और आर्थिक आकर्षणों को बढ़ाना नहीं, मनुष्य और समाज के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन भी इसी दृष्टि पर आधारित था। वे ऐसी अर्थव्यवस्था के समर्थक थे, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार से जुड़े उनका 'अंशोदय' का सिद्धांत आज भी उनके चिंतन को प्रमुख पहचान है। उनका मानना था कि किसी भी विकास व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। इस दृष्टि से उनका चिंतन सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित विकास की चर्चा में आज भी संदर्भित किया जाता है। दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता और संघटनकर्ता ही नहीं, लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने लेखनी के सामाजिक जागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने 'राष्ट्रधर्म', 'पाञ्चजन्य' और 'स्वदेश' जैसे प्रकाशनों के माध्यम से राष्ट्र, समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति से जुड़े विषयों पर लिखा। उनके लेखन में सरल भाषा के साथ वैचारिक स्पष्टता दिखाई देती थी। उनका 'पॉलिटिकल डायरी' स्तंभ भी चर्चित रहा। पत्रकारिता की लेकर वे तथ्यपरकता और जिम्मेदारी पर जोर देते थे। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, वे समाचारों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत करने के विरुद्ध थे और पत्रकार की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण मानते थे। उनका व्यक्तिगत जीवन अत्यंत सादा था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन संगठन और सार्वजनिक कार्यों में लगाया। पद और प्रतिष्ठा के बावजूद उनका रहन-सहन सामान्य रहा। यही सादगी उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान बनी। उनके समर्थकों और सहयोगियों के संस्मरणों में उनके सहज व्यवहार, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संबंधों का उल्लेख मिलता है। वे संसार को केवल पदों और संरचनाओं से नहीं, समर्पित कार्यकर्ताओं के माध्यम से मजबूत करने में विश्वास रखते थे।

दीनदयाल उपाध्याय का जीवन बहुत लंबा नहीं था। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट एक रेलवे डिब्बे के पास उनका शव मिला। उनको मृत्यु की परिस्थितियों ने लंबे समय तक प्रश्न खड़े किए और यह घटना भारतीय राजनीतिक इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल रही। उस समय वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और उनके निधन से पार्टी को बड़ा झटका लगा। उनका राजनीतिक जीवन और दर्शन भारतीय राजनीति में लंबे समय तक चर्चा का विषय रहा है। उनके विचारों से सहमत और असहमत दोनों पक्षों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनके विचारों को उसके मूल संदर्भ में समझा जाए। एकात्म मानववाद, अंत्योदय, विकेंद्रीकरण, स्वावलंबन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र केन्द्रित विकास उनके विचारों के प्रमुख पक्ष रहे। उनका रचनाओं और भाषणों में राष्ट्र, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र और सामाजिक जीवन पर व्यापक विचार मिलता है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सीमित साधनों और कठिन परिस्थितियों में भी कोई व्यक्ति अपने विचार, अनुशासन और कर्म के बल पर सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ सकता है। उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बजाय संगठन और सेवा से जोड़े पर बल दिया। उनका एकात्म मानववाद व्यक्ति और समाज के संबंधों को समग्र दृष्टि से देखने का प्रयास था जबकि अंत्योदय का विचार विकास के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर केंद्रित था।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

भारत-वेस्टइंडीज वनडे सीरीज 27 सितंबर से



तिरुवनंतपुरम में जुटी टीम इंडिया, रोहित-विराट की वापसी से बढ़ा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित व्हाइट-बॉल सीरीज को लेकर टीम इंडिया का जमावड़ा तिरुवनंतपुरम में शुरू हो गया है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। वनडे टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की वापसी ने सीरीज के रोमांच को और बढ़ा दिया है।

गिल की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया- 27 वर्षीय शुभमन गिल भारतीय वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल के नेतृत्व का समर्थन किया है। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण देखने को मिलेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी से युवा कप्तान को मैदान के अंदर और बाहर महत्वपूर्ण अनुभव का साथ मिलेगा। रवींद्र जडेजा की भी 50 ओवर के प्रारूप में वापसी हुई है। ऐसे में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और ऑलराउंड विकल्पों में अनुभव बढ़ेगा। **एशियन गेम्स के कारण टीम में हुआ बदलाव-** 2026 एशियन गेम्स के कारण भारतीय वनडे टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं। श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल जैसे प्रमुख खिलाड़ी एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे

27 सितंबर को पहला वनडे

दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 27 सितंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा वनडे 3 अक्टूबर को नए चंडीगढ़ में होगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमों पांच मैचों की टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगी। टी20 मुकाबलों की शुरुआत 6 अक्टूबर से लखनऊ में होगी और आखिरी मैच 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा। **टीवी और मोबाइल पर ऐसे देख सकेंगे मैच-** भारत में सीरीज के मुकाबलों का टीवी पर सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। वहीं मोबाइल, लैपटॉप और स्मार्ट टीवी पर मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार के जरिए देखी जा सकेगी।

एशियन गेम्स में भारत ने रचा इतिहास, पुरुष बैडमिंटन टीम ने जीता पहला कांस्य रोइंग में सतनाम- सलमान ने भी दिलाया पदक

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने इतिहास रचते हुए पुरुष टीम इवेंट में पहली बार कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत को चीन के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, लेकिन टीम ने कांस्य पदक पक्का कर लिया। इससे पहले क्वार्टर

फाइनल में भारत ने मेजबान जापान को हराकर इस स्पर्धा में अपना पहला पदक सुनिश्चित किया था। वहीं, रोइंग में भी भारत को कांस्य पदक मिला। पुरुष डबल स्कल्स में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने 6८13.25 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों ने रेस के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और अंतिम चरण में पीछे होने के



हांगझोऊ एशियन गेम्स में क्वाड्रपल स्कल्स टीम के साथ कांस्य पदक जीता था।

एशियाई खेल 2026 : भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 20-1 से पीटा

गिफू (इंएमएस)। ड्रैग-फिलकर दीपिका सहरावत के 9 गोलों की सहायता से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के अपने तीसरे मुकाबले में थाईलैंड को 20-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी अजेय बहुत बरकरार रखी है। इस मैच में पूरे समय भारतीय खिलाड़ी हावी रहीं। वहीं थाईलैंड की टीम बेबस नजर आयी।

इस मैच में दीपिका ने अपने सभी नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किये। दीपिका के अलावा, नवनीत कौर ने चार मैदानी गोल किये जबकि युवा खिलाड़ी ऋजुा पिसाल ने हैट्रिक लगायी। कप्तान सलीमा टेटे, नेहा, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी एक-एक गोल कर भारत के स्कोर को 20 तक पहुंचा दिया।

मैच की शुरुआत से ही कोच जोर्ड मारिन की रणनीति के तहत भारतीय टीम ने बेहद

गुस्से में लिए फैसलों से वक्त के पहले समाप्त हुआ रायुडू का कैरियर

हैदराबाद (इंएमएस)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू भारतीय टीम के एक ऐसे बल्लेबाज रहे हैं। जो बेहद प्रतिभाशाली थे पर अपने मिजाज गर्म के कारण और अप्रत्याशित फैसलों से उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे होंगे, जिनकी पहचान उनके खेल के साथ-साथ उनके बागी तेवरों के लिए भी बनी हो और उनमें से अंबाती रायुडू एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई बार अपने गुस्से और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से अपने ही करियर को नुकसान पहुंचाया। क्रिकेट के खेल में संयम का बहुत महत्व होता है, और रायुडू के करियर को देखकर यह बात बखूबी समझी जा सकती है। कभी बीसीसीआई से पंगा, कभी विश्व कप टीम से बाहर होने पर तत्काल संन्यास का ऐलान, और कभी-कभी मैदान के बाहर भी गुस्से में आकर विवादों में घिरना। ये सभी घटनाएं उनके नाम के साथ जुड़ गईं। हालांकि, इन विवादों के बावजूद, एक बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठाया गया। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर थे, जिनमें भारत के लिए लंबा खेलने की काबिलियत थी। उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ शायद 2019 एकदिवसीय विश्व कप टीम का चयन रहा। मध्यक्रम में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जा रहे रायुडू को अचानक टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह ऑलराउंडर विजय शंकर को मौका मिला।

रंभा संभार

वाइब में की है अलग दिशा में एंटरटेन करने की कोशिश: कुणाल खेम्



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड की कॉमेडी, एक्शन और जासूसी थ्रिलर फिल्म वाइब रिलीज हो चुकी है। अभिनेता कुणाल खेम् ने इस फिल्म के जरिए एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग और प्रोड्यूसिंग जैसे कई क्षेत्रों में हाथ आजमाया है। कुणाल खेम् ने फिल्म की रिलीज के बाद एक इमोशनल पोस्ट साझा किया है,

जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों और टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। अभिनेता का मानना है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने सभी को अलग दिशा में एंटरटेन करने की कोशिश की है। कुणाल खेम् ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन्स को शेयर किया है, जिसमें फिल्म का गाना वाइब भी ऐड किया गया है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, हार्दिक (कुणाल खेम् के किरदार का नाम) की शुभकामनाएं। अपनी पूरी टीम के साथ आने और माहौल बनाने के लिए दिल से शुक्रिया। अगर अभी तक किसी ने फिल्म नहीं देखी है, तो अपने प्लान में इसे जरूर शामिल करें और साथ मिलकर हम करेंगे और कर सकते हैं (थोड़ा मेटा है, समझने वाले समझ जाएंगे)। यह संदेश उनकी टीम वर्क और भविष्य के लिए उनकी आशा को दर्शाता है। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए कुछ अलग करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, कुछ अलग और नया करने की ये एक जनी रही है। एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग। यकीन मानिए, मुझे आगे बढ़ाने वाली सिर्फ एक चीज है- फिल्मों के लिए मेरा कभी न खत्म होने वाला प्यार और आप सभी का शानदार प्यार और सपोर्ट जो आप हमेशा दिखाते आए हैं।

वहीदा रहमान बनेगी पुतलीबाई

मुंबई (यशभारत)। फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा एक ऐसी कहानी को पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, जो महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण और कम चर्चित दौर पर आधारित है। इस फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं। अब हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं, जहां वह गांधीजी की मां पुतलीबाई का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी महात्मा गांधी के जीवन के उन 21 दिनों पर केंद्रित है, जिन्हें इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में पुतलीबाई का किरदार कहानी में भावनात्मक स्तर पर खास महत्व रखता है। मेकर्स का मानना है कि वहीदा रहमान जैसी अनुभवी अभिनेत्री की मौजूदगी इस किरदार को और गहराई देगी।

आज ही को अपना पहला दिन बनाएं- कृति सेनन

इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट में मिमी फेम एक्ट्रेस कृति सेनन को पॉटरी (मिट्टी के बर्तन बनाने) की कला सीखते हुए देखा गया। अभिनेत्री ने अपनी बकेट लिस्ट से एक और चीज पूरी कर ली है, जिसे वह सालों से सीखना चाहती थीं। अभिनेत्री कृति सेनन ने फोटो-शेयरिंग ऐप पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया।

उन्होंने लिखा, वह चीज जिसे आप सालों से करना या सीखना चाहते थे, जो हमेशा आपकी इस साल मुझे ये चीजें करनी हैं वाली लिस्ट में तो होती थी, लेकिन आपने उसके लिए कभी समय नहीं निकाला? किसी दिन कहने के बजाय, आज ही को अपना पहला दिन (डे वन) बनाएं! मेरी लिस्ट में पॉटरी भी शामिल थी! नई स्किल सीखने की खुशीज कुछ अलग ही होती है! कांफटेल् 2 एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट का अंत यह कहते हुए किया कि उन्हें लगातार खुद को बेहतर बनाते रहना पसंद



है! कृति को हमेशा अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना और नई चीजें आजमाना पसंद है। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने अपनी बकेट लिस्ट से कोई बड़ा सपना पूरा किया हो। 2023 में, उन्होंने स्काईड्राइविंग में हाथ कहे थे और अपनी बकेट लिस्ट से एक और चीज पूरी की



थी। वह अपनी बहन नूपुर सेनन के साथ दुबई गई थीं, जहाँ दोनों बहनों ने स्काईड्राइविंग करने का फैसला किया था। कृति ने अपना अनुभव इंटरनेट पर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया था। वीडियो की शुरुआत में उन्होंने कहा था, हाँ, अभी पेट में थोड़ी घबराहट (बटरफ्लाइज) हो रही है।

इसके बाद, लुका लुछी की एक्ट्रेस ने आसमान में ड्राइव का खूब मजा लिया। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कैसा लगा, तो कृति ने कहा था, बहुत बढ़िया! यह बिल्कुल अजब पंछी जैसा महसूस हो रहा है। इस रोमांचक वीडियो के कैप्शन था, अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल रही हूँ।

फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था: आयुष्मान



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से प्रेम 1994 की फिल्म हम आपके हैं कौन देखने के बाद हुआ था। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, मुझे याद है कि मैंने हम आपके हैं कौन में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था। अभिनेता आयुष्मान ने यह भी बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं, जो उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह बयान राजश्री फिल्मों के उनके व्यक्तिगत प्रभाव और भारतीय परिवारिक मूल्यों के प्रति उनके जुड़ाव को दर्शाता है। अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है। आयुष्मान का यह कथन राजश्री फिल्मों के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है। आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बडजात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया, जो उनकी विनम्रता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

कुछ नया सीखने का सिलसिला कभी नहीं रुकता : अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन ने मेडिकल साइंस की बारीकियों और नैतिकता की परीक्षाओं से लेकर संगीत की असीम दुनिया तक उन कई सीखों को याद किया जो ज़िंदगी हमें देती रहती है। हिंदी सिनेमा के सुपर स्टार ने कहा कि हर दिन केबीसी के दायरे और जिंदगी के दायरों में कुछ नया सीखने को मिलता है, जो उनके लिए कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है।

स्टार ने अपने ब्लॉग पर लिखा- हर दिन कुछ नया सीखनाज कुछ दूसरों के बारे में, लेकिन ज्यादातर अपने बारे मेंज हम कौन हैं, क्या हैं और कहाँ हैंज और सीखने का सिलसिला कभी नहीं रकता। मेडिकल साइंस की पेचीदगियाँ, ज्ञान की विविधता, नैतिकता की परीक्षाएं और हर दिन कुछ नया सीखना। सिर्फ केबीसी के दायरे में ही नहीं, बल्कि जिंदगी के दायरे में भी। यह दिखाता है कि अमिताभ बच्चन सिर्फ एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक आजीवन विद्यार्थी भी हैं जो हर पल कुछ न कुछ सीखते रहते हैं। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने संगीत के बारे में विशेष रूप से बात की। उन्होंने कहा, और फिर संगीत है जो कभी खत्म नहीं होता, कभी माफ नहीं करता, कभी रोकता नहीं, लेकिन हर पल एक चुनौती पेश करता है -



बच्चन का सहज और ज्ञानवर्धक अंदाज़ ही इस शो की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण है। बिग बी, जिन्हें आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल की फिल्म वेड्डेयन में देखा गया था, वे नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण-पार्ट 1 में नज़र आएंगे। इस फिल्म में यश, रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और सनी देओल भी होंगे।

उन्होंने यह कैसे किया और खोज शुरू हो जाती है। मन और इंद्रियां जाग उठती हैं और एक खास एहसास छा जाता है। दिल और रूह को भार देता है, क्योंकि यही तो इसकी महानता की असली पहचान है। संगीत के प्रति उनकी यह भावना उनके गहरे कलात्मक जुड़ाव को दर्शाती है।

सिनेमा के यह दिग्गज कलाकार अभी कौन बनकर करोड़पति में नज़र आ रहे हैं, जो ओरिजिनल ब्रिटिश फॉर्मेट हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर? का ऑफिशियल हिंदी वर्जन है। यह फॉर्मेट हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर? पूरेजाइजी के दूसरे शो जैसा ही है-कंटेस्टेंट से मल्टीपल-चॉइस सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार संभावित विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। साथ ही, अगर वे पक्का नहीं हैं तो वे लाइफलाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमिताभ

